

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2011

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। हर एक भाग में से अनिवार्य प्रश्नों के अलावा कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं। सब प्रश्नों का अंक समान है। भाग एक का उत्तर जैमिनीय आधार पर एवं भाग दो पराशरी सिद्धांत के अनुसार उत्तर देना है।

भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

1. क) जैमिनी ज्योतिष की विशेषताएं बताएं।
ख) समझाएं कि किस प्रकार रुद्र, महेश्वर व ब्रह्मा का फलादेश में प्रयोग किया जाता है?
2. क) निम्न जन्मांक के लिए पद लग्न की गणना करें।
ख) उपपद प्रयोग करते हुए जातक के वैवाहिक स्थिति पर प्रकाश डालें।
12.01.1972, 17:45 बजे, दिल्ली, महिला
दशा शेष - शनि 7 वर्ष 8 माह 10 दिन
लग्न-मिथुन 29:11, सूर्य-धनु 27:55, चन्द्र-वृश्चिक 11:16, मंगल-मीन 17:23
बुध-धनु 7:32, गुरु-धनु 1:23, शुक्र-कुंभ 1:29, शनि (व) - वृषभ 6:26, राहु-मकर 11:49, केतु-कर्क 11:49
3. निम्न कथन सत्य है अथवा असत्य :-
i) यदि गुरु कारकांश से नवें में हो तो जातक कृषक होता है।
ii) यदि सूर्य कारकांश से सप्तम हो तो पत्नि ललित कलाओं में निपुण होती है।
iii) चन्द्र व मंगल में बली ग्रह माता को दर्शाता है।
iv) सूर्य या शुक्र से अष्टम राशि मृत्यु का कारण बनती है।
v) उपपद लग्न से चन्द्रमा नवम हो तो पुत्र देता है।
vi) आरुढ़ लग्न से गुरु द्वादश हो तो जातक कर (Tax) देता है।
vii) सप्तम भाव या तुला हृदय के कारक है।
viii) आत्मकारक से द्वितीय, चतुर्थ और पंचम भाव में समान संख्या में शुभ ग्रह हो तो जातक असीम शक्ति व स्थान प्राप्त करता है।
ix) यदि चतुर्थ राशि अथवा राशीश कारकांश पर दृष्टि डाले तो जातक सुखी होगा।
x) यदि पूर्ण चन्द्रमा और शुक्र कारकांश से द्वितीय हो तो जातक शिक्षक हो सकता है।
4. प्रश्न 5 की कुण्डली के आधार पर निम्न का उत्तर दें :-
क) जातक का क्या व्यवसाय है?
ख) जातक के संतान की व्यवसायिक जीवन पर प्रकाश डालें।
5. जैमिनी सूत्र प्रयोग कर निम्न जातक की आयु की गणना करें।
3.6.1924, 9:30 बजे, 10उ.48, 79पू.06
दशा शेष : मंगल - 5व. 9मा. 29 दिन
लग्न-कर्क 9:17, सूर्य-वृषभ 19:29, चन्द्र-वृषभ 25:35, मंगल - मकर 28:27 बुध-मेष 25:30, गुरु(व)-वृश्चिक 22:35, शुक्र-मिथुन 23:54, शनि-तुला 03:21 राहु-सिंह 03:02, केतु-कुंभ 03:02

भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. निम्न कुण्डलियों का वैवाहिक मेलापक करें।

लग्न/ग्रह	राशि	डिग्री	मिनट	लग्न/ग्रह	राशि	डिग्री	मिनट
पुरुष				महिला			
लग्न	वृषभ	22	57	लग्न	मीन	24	56
सूर्य	कन्या	05	00	सूर्य	सिंह	03	26
चन्द्र	मिथुन	16	19	चन्द्र	मकर	01	08
मंगल	कर्क	18	43	मंगल	कर्क	10	52
बुध	तुला	01	06	बुध	कन्या	00	45
गुरु	कन्या	22	19	गुरु	वृश्चिक	08	12
शुक्र	तुला	16	35	शुक्र(व)	सिंह	10	33
शनि	कन्या	17	28	शनि	तुला	06	05
राहु	कर्क	06	24	राहु	वृषभ	29	35
केतु	मकर	06	24	केतु	वृश्चिक	29	35

पुरुष - 21.09.1981, 22:20, जलालाबाद, दशा शेष - राहु 4.11.20

महिला - 20.8.1983, 21:20, दिल्ली, दशा शेष - सूर्य 3.12.01

7. निम्न जातक के विवाह के समय की गणना करें :-

28.05.1984, 18:02, 11 उ 00, 77 पू 00, पुरुष

लग्न-वृश्चिक 5:44, सूर्य - वृषभ 13:43, चन्द्र - मेष 17:53

मंगल (व) - तुला 21:23, बुध - मेष 20:12, गुरु (व) - धनु 18:04

शुक्र - वृषभ 08:43, शनि (व) - तुला 17:38, राहु - वृषभ 12:58

केतु-वृश्चिक 12:58

दशा शेष : शुक्र . 13व. 01 मा. 29 दि.

8. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

क) विधुर के ज्योतिषिय योग

ख) सप्तमेष के विभिन्न भावों में स्थिति के फल

9. क) बहु विवाह के पांच योग।

ख) प्र. 5 के जातक के वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डालें।

10. समझाएं :-

i) कालत्र दोष

ii) दशा संधि

iii) अनुकूल षष्टक दोष

iv) सप्तम में मंगल